महत्वपूर्ण एवं खास

पाढ़ीघाट मंदिर से राम दरबार की मूर्ति चुराने वाली महिला पकड़ाई

चांपा (आरएनएस)। पाढ़ीघाट मंदिर से भगवान श्रीराम दरबार की मूर्ति को चोरी करने वाली महिला को पकडक़र जेल भेजा गया है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी श्रीधर सोनी उम्र 47 वर्ष नीम चौक सोनारपारा चाम्पा द्वारा 28 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराया कि चाम्पा पाढ़ी घाट हसदेव नदी किनारे मंदिर से भगवान राम दरबार की मूर्ति जिसमे भगवान श्रीराम जी, माता जानकी जी, लक्ष्मण जी, हनुमान जी की मूर्ति को अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना चांपा में अपराध धारा 380 भादंवि कायम कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना दौरान घटना स्थल निरीक्षण पश्चात आसपास के सीसीटीवी देखने पर एक महिला संदिग्ध हालात में आते जाते दिखी जिसकी पहचान पश्चात संदेही महिला का पूछताछ पश्चात मेमोरेण्डम कथन में मंदिर की मूर्ति चोरी करना स्वीकार की, जिसके अपने घर से निकाल कर पेश करने पर चोरी गई भगवान की मूर्ति को गवाहो के समक्ष बरामद किया जाकर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर 29 फरवरी को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

नक्सलियों ने भाजपा नेता को उतारा मौत के घाट

बीजापुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। एक बार फिर से नक्सलियों ने कायराना करतूत करते हुए भाजपा नेता पर जानलेवा हमला कर मौत के घाट उतार दिया है। इस घटना से इलाके में हडक़ंप मच गई है। बताया जा रहा है कि शादी समारोह में शामिल होने गए जनपद सदस्य और सहकारिता प्रकोष्ठ समिति के संयोजक तिरुपति कटला पर नक्सलियों ने प्राणघातक हमला किया है। जिसमें वह गभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरा मामला तियानार थाना क्षेत्र का है। बता दें कि प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा के शांति वार्ता प्रस्ताव के बीच नक्सलियों के स्माल एक्शन की टीम ने बड़ी घटना को अंजाम दिया है। हाल ही में गृहमंत्री ने नक्सलियों से बातचीत करने की पहल की थी। इस बीच आज माओवादियों ने जनपद सदस्य और सहकारिता प्रकोष्ठ समिति के संयोजक तिरुपति कटला पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। तिरुपति कटला शादी समारोह में शामिल होने तोयनार गांव गए हुए थे। समारोह से निकलते वक्त नक्सलियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है।

सीईओ ने दो प्रपा व दो शिक्षकों को किया निलंबित

जशपुर-रायपुर (आरएनएस)। जशपुर जिले में जिला पंचायत के सीईओ ने सख्त कदम उठाते हुए चार शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया, इनमें दो प्रधान पाठक व दो शिक्षक शामिल हैं। सीईओ के इस सख्त कदम के बाद से ही शिक्षकों में हडक़ंप मच गया है। निलंबित प्रधान पाठक व शिक्षकों को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बगीचा में रहने कहा गया है। जशपुर जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोदोपारा के प्रधान पाठक विराजन राम, जयकिशोर कुजूर और शिक्षक एलबी हेमंत कुजूर एवं सहायक शिक्षक एलबी रविशंकर गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित (शिक्षक सस्पेंड) किया है। जिला पंचायत सीईओ विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बगीचा द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन एवं छात्र-छात्राओं के बयान के आधार पर प्रधान पाठक विराजन राम, जयकिशोर कुजूर और शिक्षक एलबी हेमंत कुजूर एवं सहायक शिक्षक एलबी रविशंकर गुप्ता द्वारा अध्यापन कार्य नहीं कराना, विद्यालय में अनियमित उपस्थिति, विद्यालय आने के उपरांत उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर उपरांत विद्यालय से अन्यत्र चले जाना एवं नियमित रूप से मद्यपान का सेवन कर विद्यालय आना प्रथमदृष्ट्या सही पाया गया है। संबंधितों के उक्त कृत्य छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 03 एवं नियम 23 के सर्वथा विपरीत है, जो कदाचरण की श्रेणी में आता है। अतएव शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोदोपारा के प्रधान पाठक विराजन राम, जयकिशोर कुजूर और शिक्षक एलबी हेमंत कुजूर एवं सहायक शिक्षक एलबी रविशंकर गुप्ता को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित (शिक्षक सस्पेंड) किया जाता है।

छत्तीसगढ़ जैव विविधता से पूर्ण राज्य, वनों और वन्य जीवों के संरक्षण में जनजाति समाज की अहम भूमिका : मंत्री केदार कश्यप

❑ वन मंत्री जनजाति क्षेत्र में जैव विविधता संरक्षण एवं संवर्धन कार्यशाला में हुए शामिल

रायपुर, 02 मार्च (आरएनएस)। वनों में रहने वाले जनजाति समुदाय ने कभी भी वनों को हानि नहीं पहुंचाई। वनों पर आधारित जीवन होने के बावजूद सीमित संसाधनों में हमारे पूर्वज जीवनयापन करते आये हैं। हमारे वनवासी और जनजाति समुदाय के लोगों ने वनों को सहेजने का कार्य किया है। प्रत्येक जनजाति समाज के घर-बाड़ी में हमें 20-25 अलग-अलग पेड़ पौधे अवश्य मिलेंगे। जनजाति समाज का प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम है। यह बात वन मंत्री केदार कश्यप ने नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में छत्तीसगढ़ बायो डायवर्सिटी बोर्ड एवं सेवावर्धिनी छत्तीसगढ़ के द्वारा 'जनजाति क्षेत्र में जैव विविधता संरक्षण एवं संवर्धन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में कही।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जैव विविधता व्यापक और विस्तृत विषय है, सृष्टि के आदर्श स्वरूप के लिये जैव विविधता का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है, इस सन्दर्भ में गीता का एक श्लोक है 'ईश्वर सर्वभूतानां हृदये अर्जुन तिष्ठति' इसका भाव यह है कि प्रत्येक जीव में ईश्वर का वास है। इस दृष्टि से जीव जगत की विविधता ही जगत की सुंदरता है। जैव विविधता पृथ्वी की समृद्धता की परिचायक है, यह प्रकृति की विविध जीवमंडल से सम्बन्धित है। वस्तुत: जैव विविधता पौधों, जानवरों और सूक्ष्म जीव प्रजातियों के बीच के संबंध को दर्शाता है। यह पारिस्थितिकी और आर्थिक महत्व रखता है। यह हमें पोषण आवास, ईंधन, वस्त्र आदि अन्य संसाधन प्रदान करता है, साथ ही जैव विविधता पर्यटन से भी जुड़ा है।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि छतीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में जहां तक जैव विविधता को हम देखें तो गौरव की अनुभूति होती है। छत्तीसगढ़ भारत का 10वां सबसे बड़ा समृद्ध संस्कृति, विरासत एवं आकर्षक प्राकृतिक विविधता से संपन्न राज्य है। दस हजार वर्षों पुरानी सभ्यता के साथ भारत के केंद्र में स्थित यह आश्चर्यों से भरा राज्य उन पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है, जो प्राचीनता का अनुभव प्राप्त करना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ एक विशिष्ट भारतीय अनुभव प्रदान करता हैं। देश के सबसे विस्तृत झरने, गुफाएं, हरे-भरे जंगल, प्राचीन स्मारक, दुर्लभ वन्यजीव, उत्कृष्ट नक्काशीदार मंदिर, बौद्ध स्थल और पहाड़ी पठार इस राज्य में विद्यमान हैं।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 80 प्रतिशत से अधिक जैव विविधता पाई जाती है, जो पूरे देश में कहीं भी नहीं पाई जाती है। 32 प्रतिशत जनजातीय आबादी के साथ इस राज्य का 44 प्रतिशत हिस्सा वनों से घिरा हुआ है। छत्तीसगढ़ प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। जो अद्वितीय आदिवासी कला, शिल्प और परंपराओं की खोज करना चाहते हैं। सदियों से इसके आदिवासी समुदायों ने पर्यावरण की अनुकूल प्रथाओं के माध्यम से प्राकृतिक आवास को पोषित एवं संरक्षित करने में अहम भूमिका निभाई है। छत्तीसगढ़ में पर्यटकों को कला और वास्तुकला, विरासत, हस्तशिल्प, व्यंजन, मेले एवं त्योहार जैसा बहुत कुछ देखने को मिलता है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ का उल्लेख अनेक कथाओं में मिलता है, जिनमें भारत के दो महान महाकाव्य रामायण एवं महाभारत भी शामिल हैं। भारत का सबसे चौड़ा जलप्रपात चित्रकोट भी इसी राज्य में है। मानसून में जब इंद्रावती नदी पूरे प्रवाह में होती है, तब बस्तर जिले में स्थित यह जलप्रपात 980 फुट चौड़ा हो जाता है। छत्तीसगढ़ में देवी-देवताओं और कई मंदिरों की विरासत है। बैकुंठपुर कोरिया के हसदेव नदी तट पर 28 करोड़ साल पुराने समुद्री जीवाश्म को संरक्षित करने फॉसिल पार्क बनाया गया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय जनजाति हितरक्षा प्रमुख गिरीश कुबेर, अखिल भारतीय जनजाति शिक्षा प्रमुख सुहास देशपांडे, प्रान्त संगठन मंत्री वनवासी कल्याण आश्रम रामनाथ कश्यप एवं एसीएस मनोज कुमार पिंगुआ, पीसीसीएफ श्रीनिवास राव, एपीसीसीएफ अरुण पांडेय, सदस्य सचिव जैव विविधता बोर्ड प्रभात मिश्रा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को 12 को भुगतान की जाएगी धान के अंतर की राशि - मुख्यमंत्री साय

❑ पत्थलगांव में लिंक कोर्ट प्रारंभ करने की घोषणा

❑ गिरी गोवर्धन धाम के सार्वजनिक सांस्कृतिक मंडप एवं अखिल भारतीय महाकुल (यादव) समाज के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर (आरएनएस)। 12 मार्च को किसानों को धान के अंतर की राशि लगभग 13 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड के अंतर्गत ग्राम तामामुंडा में स्थित गिरी गोवर्धन धाम के सार्वजनिक सांस्कृतिक मंडप सहित अखिल भारतीय महाकुल (यादव) समाज लोकार्पण समारोह में शामिल होने के दौरान कही। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पत्थलगांव में लिंक कोर्ट प्रारंभ करने की घोषणा भी की। उन्होंने गिरी गोवर्धन पर्वत के सुगम सीसी मार्ग निर्माण के लिए 32 लाख रुपए, फरसाबहार में सांस्कृतिक मंडप के लिए 10 लाख रुपए, शिवमन्दिर से कासाटोली 12 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने सभा को संबोधित करते हुए कि आज

आप लोगों ने जो स्वागत किया है उसे मैं हमेशा याद रखूंगा। मेरा अनेक जगह स्वागत फलों से, धान से, लड्डुओं, मिठाईयों आदि सामग्रियों से वजन कर किया गया है। मेरे पूरे राजनैतिक जीवन में पहली बार स्वागत घी से तौल कर किया गया। इसके लिए मैं पूरे यदुकुल समाज का आभारी रहूंगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमने ढाई महीने के अल्पकाल में छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर ले जाने का कार्य किया है। हमने 18 लाख लाख प्रधान मंत्री आवास स्वीकृत किए। जो युद्ध स्तर में बनना प्रारंभ हो गया है। हमने माताओं को महतारी वंदन योजना से आर्थिक रूप से सशक्त करने का प्रयास कर रहे है। इस साल हमने रिकार्ड धान की खरीदी की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि आने वाले 15 दिनों में तेंदुपत्ता की खरीदी समर्थन मूल्य में हो जाएगी। साथ ही तेंदुपत्ता संग्राहको के लिए चरण पादुका एवं बच्चो के लिए छात्रवृत्ति प्रारंभ की जाएगी। हमने मोदी के गारंटी के तहत कार्य करते हुए लोगों के सपने को साकार करने का कार्य कर रहे है। इस साल बजट में जशपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार पर फोकस किए है। जिसमें कुनकुरी में 220 बेड के सर्व सुविधा युक्त हॉस्पिटल का निर्माण किया जाएगा। जिसका कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। इसके साथ ही हमने जिले में 4 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत किए है। जिसका सीधा लाभ निश्चित ही क्षेत्र के जनता को मिलेगा।

डीएमएफ घोटाला और मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने 30 लाख नगद सहित अवैध लेनदेन के दस्तावेज,और डिजिटल एविडेंस डिवाइस किए जब्त

रायपुर (आरएनएस)। डीएमएफ घोटाला और मनी लांड्रिंग मामले में तीन पूर्व मंत्रियों के पांच करीबियों के यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने शुक्रवार को पहले दिन की कार्रवाई में सभी से कुल 30 लाख रूपए नगद, अवैध लेनदेन के दस्तावेज,और डिजिटल एविडेंस डिवाइस जब्त किए गए हैं। ईडी की टीम बैकुंठपुर से जनपद सीईओ राधेश्याम मिर्झा को पूछताछ के लिए शुक्रवार रात रायपुर लेकर आई है। वहीं दूसरे दिन शनिवार को भी ईडी की टीम सभी ठिकानों में डटी हुई है। टीम द्वारा कोरबा में जेपी अग्रवाल, अंबिकापुर में अशोक अग्रवाल, बालोद में पीयूष सोनी डौंडी में तोरण चंद्राकर और बैकुंठपुर सहित मनेंद्रगढ़-चिरिमिरी-भरतपुर राधेश्याम मिर्झा के ठिकानों में तलाशी जारी है।

चपरासी, चौकीदार और सफाईकर्मी की भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित करेगा व्यापमं

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में प्रयोगशाला परिचारक, भृत्य, चौकीदार व स्वीपर की भर्ती उच्च शिक्षा विभाग की ओर कुछ महीने पहले आवेदन मंगाए गए थे। इन पदों के लिए 7 लाख से ज्याद फॉर्म आए हैं।

राज्य में यह पहली बार है जब किसी भर्ती परीक्षा के लिए इतनी बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं। अब यह परीक्षा छग व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) से आयोजित की जाएगी। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग से प्रस्ताव भेजा गया है। इससे पहले, व्यापमं व पीएससी से हुई विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के लिए ढाई से तीन लाख तक आवेदन मिले हैं।

जानकारों का कहना है? कि उच्च शिक्षा विभाग की इस भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता पांचवीं से लेकर बारहवीं पास थी। वह भी प्रयोगशाला परिचारक के लिए ही 12वीं पास थी। अन्य तीनों पद के लिए पांचवीं पास होना जरूरी था। इसलिए बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं। उधर, उच्च शिक्षा विभाग से पिछले साल अक्टूबर में आवेदन मंगाए गए थे। तब यह कहा गया था कि चयन के लिए विभाग की ओर से परीक्षा आयोजित की जाएगी। विभाग को भी यह अंदाजा नहीं था कि इन पदों के लिए इतनी बड़ी संख्या में आवेदन आएंगे। अब परीक्षा के आयोजन के लिए लिए व्यापमं को प्रस्ताव भेजा गया है।

रायपुर में 4 को जॉब फेयर, कई विभाग में 300 पदों पर होगी भर्ती

रायपुर (आरएनएस)। बेरोजगार युवाओं के लिए नौकरी का सुनहरा अवसर है। नौकरी की राह देख रहे युवाओं को चांस मिल सकता है। कई विभागों में 300 से अधिक पदों पर भर्ती निकली गई है। चार मार्च को 11 बजे से जॉब फेयर आयोजित की गई।

इच्छुक युवाओं के लिए जॉब फेयर में शामिल होकर नौकरी पाने का सुनहरा अवसर है।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायपुर की ओर से स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर दिया जा रहा है। आगामी चार मार्च को शासकीय नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक जॉब फेयर आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से निजी क्षेत्र के नियोजक पटेल स्विच गेयर, हकशेड टेक्नोलॉजी, एल एंड टी फायनेशियल सर्विस, एनआईआईटी, युनिवर्सिटी और इनवेन्टिय साफ्टवेयर सॉल्यूशन्स प्रायवेट लिमिटेड की ओर से भर्ती की जाएगी

स्थानीय शिक्षित युवाओं को इसके लिए 12वीं से स्नातक और आईटीआई होना चाहिए। आवेदकों की भर्ती कंप्यूटर ऑपरेटर, डिसपेच बॉय, डिलीवरी बॉय, सेल्स एवं मार्केटिंग ऑफिसर, फंट लाइन मैनेजर, रिलेशनशीप मैनेजर, टेक्निशियन आदि के 300 से अधिक पदों के लिए भर्ती निकली गई है। इसमें 10 हजार से 40 हजार रुपये तक सैलरी दी जाएगी।

इस जॉब फेयर में सम्मिलित होने योग्य और इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि और स्थल पर अपने बॉयोडाटा आधार कार्ड और शैक्षणिक, तकनीकी योग्यता अनुभव प्रमाण-पत्रों की फोटो कॉपी के साथ उपस्थित हो सकते हैं। इस संबंध मे अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क कर सकते हैं।

ट्रक से करोड़ों का गांजा जब्त,महाराष्ट्र के दो तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद (आरएनएस)। जिले की सिंघोडा थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एक ट्रक से 1725 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की कीमत 8.62 करोड़ रूपये आंकी गई है। मामले में 2 अंतरराज्यीय तस्करों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी उड़ीसा से गांजे लेकर छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र लेकर जा रहे थे।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह पुलिस को मुखबिर से ओडिशा के रास्ते भारी मात्रा में गांजे की तस्करी करने की सूचना मिली थी। जिसके बाद महासमुंद जिले के उड़ीसा से लगे सरहदी थाना सिंघोड़ा के नाका रेहटिखोल में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की गई। इस दौरान ट्रक क्रमांक एमएच 21 बीएच 5855 को पुलिस ने रोका जिसमे दो व्यक्ति सवार थे। पुछताछ में दोनों ने अपनार नाम अविनाश म्हस्के (उम्र 27 साल) पिता ज्ञानेश्वर म्हस्के और संतोष पवार (उम्र 32 साल) पिता भीमराव पवार बताया। पुलिस ने जब गाड़ी में लोड सामन के बारे में उनसे पुछा तो दोनों गोलमोल जवाब देकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करने लगे। जिसके बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो दोनों ने ट्रक में खाली कैरेट के नीचे गांजा तस्करी कर मध्यप्रदेश लेकर जाने की बात स्वीकार की। जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने ट्रक की तलाशी ली और ट्रक में 50 प्लास्टिक की बोरियों के भीतर 862 पैकेट में 1725 किलोग्राम गांजा रखा पाया गया। जिसकी अनुमानित कीमत 8 करोड़ 62 लाख 50 हजार रूपये बताई जा रही है। पुलिस ने गांजे की इस खेप की तस्करी करने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी महराष्ट्र के जिला जालना के रहने वाले है जो कि उडिशा से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र जा रहे थे। फिलहाल सिंघोडा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छतीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यका, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अत: शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए ....
न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

राजिम में होगा पशु पक्षी प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता का आयोजन

❑ विभिन्न उन्नत नस्लों के पशुओं की लगेगी प्रदर्शनी

राजिम (आरएनएस)। राजिम कुंभ कल्प मेला में 3 मार्च रविवार को पशुधन विकास विभाग द्वारा जिला स्तरीय पशु पक्षी प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजिम विधायक रोहित साहू उपस्थित रहेंगे। पशु चिकित्सा सेवायें के उप संचालक डॉ. तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम में रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक राजिम गौठान में पशु पक्षी प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में पशुधन विकास विभाग की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न उन्नत नस्लों के गाय, भैंस, बकरी, कुक्कुट, बत्तख आदि की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

त्रिवेणी संगम की रेत पर राजिम मेला का दृश्य हुआ सुहावना

छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध त्रिवेणी संगम राजिम कुंभ कल्प मेला का दृश्य अत्यंत सुहावना हो गया है। राजिम पुल से लेकर बेलाही घाट पुल एवं चौबेबांधा पुल तक लाइटों की रोशनी से जगमग दिख रहा है। आने वाले श्रध्दालुओं को तकलीफ न हो इस बात ध्यान रखते हुए मेला प्रशासन ने सडक़ो पर लाइट लगाकर व्यस्थित कर दिया है। दूसरी ओर नदी की रेत पर तकरीबन पांच किलोमीटर की दूरी तक अस्थाई शहर बसा हुआ है। प्रयाग नगरी के प्रथम दर्शन मामा-भांचा मंदिर से लेकर सीधे कुलेश्वरनाथ महादेव एवं लोमष ऋषि आश्रम के पिछला भाग से होते हुए नेहरू घाट नवापारा से अटल घाट राजिम तक अस्थाई रेत की सडक़ें बनाई गई है। वाहनां के लिए पत्थर बिछाकर आवागमन को व्यस्थित किया गया है। इस बार सडक़ो की चौड़ाई 15 की जगह 20 फीट कर दी गई है इससे श्रध्दालुओ को घुमने में कोई दिक्कत नहीं हो रही है। प्रदेश शासन की सोच एवं जिम्मेदार अधिकारियो की मेहनत स्पष्ट रूप से दिखायी दे रही है। मेला इस वर्ष पुरानी जगह लगा हुआ है।